

स्यात् ॥ सातिनक्षत्रा सपुततलवंच दसमुहुत्र सुजेथ नः वायु देवताः जम् देवता का स्यादनिग्रयत्र या
 उरका वा स ह न ॥ दु मि वा ह न ॥ देवजा न ॥ हा हिवा ~~हिल~~ स तो ह्यो सुखालः हा कु ह न ~~मुय क व~~ ॥
 दशिवन हार सुक क्षत्र तु रा रासि सं पु न पं दित ज्यु व खा य व स ता हा ज प्र सा दि कं
 वल व न व व न हिल दु ना ख रु म नि व मि न क र्म रा ज स व क सिल खा भा मि ह दु सिल
 चा छि द मि व प्र दे स सं जु व क पी व अ थ व द वे कु यि व खु या भ य द यु व त्रि भा ज्ञाः ५ ॥
 मि सा जु र सा ना यि स म व वं व ल चित्र कं र ह थिल थु स क्रा धु यि व कौ तु फ र दा ता रि मे व स
 ना व क रु ना चा यि व सं स त लु ठा ने ठा क थ म सु प र म द मि सा वा ल वे स नि प्र स स त्री या के स
 स लो मि जु व ल जु व क व ॥ तिल क था न ॥ ग व वेः मु षः कू ह गु ह ॥ द ह ल ला टे क ति व
 दे स्य विं दू ॥ स्व प्रा ॥ वा यु व भ व ति जु याः व ह्नि सु व न रु य म नि मु क्ति प्र सा स या का स वि भा

ॐ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

न धर्म दाना प्रवृत्त आदि नवना धर्म कं सानि आहलः सालि भाजन दुधु ध सि घेल मा ला डा
 थो रवा तु पा रु क स्ती थो ते आ हलः स लिल या धा तू वा त पित फ स मि खा स्या क मो स्या
 क मु ति सा ल धौ रो ग व र्ख ॥ ५ ॥ वै सा ख ना से र गाल स वे थ द पु का ख रोग ने व रो ग क
 क्षे रो ग व र्ख ॥ १० ॥ पौ र भ द्य व र्ख ॥ १५ ॥ सा मै स या भ द्य स स्तु या भ ये व र्ख ॥ ४५ ॥
 पु या न ये व र्ख ॥ ६५ ॥ स गारा म स धा त्व जु गु थो ते काल म व सु मा ल के या त उ या य वृ क्षे वारी ड य के ना

रा य रा पु जा या य दु व मा ला रा सि व पू जा या य स म सा रा व त्रि वि य सा दा रा वि य थो ते य म आ य व र्ख ॥ १॥
 म्मा डा व वै सा य मा से क ह म य क्ष रौ मि भ गार वा र ती रा य रु र म तु भ व ति ॥ ६३ ॥ ६३ ॥ ६३ ॥ वि सा या रा क्ष त्र या द
 तो लः पंच च त्वा री मु रु त्रः स्थ म स्थ णा ण पै र्ई वा हा ण ॥ रा क्ष स जा तः वा द्यु स तो स्त्री सु उ रा तो सु व र्त्र द वि
 क्ष र दे व कू ल का से पु गो त्र तु ला रा शि पा द ॥ ३ ॥ वि द्या रा सि पा द ॥ १ ॥ शु क्र क्ष त्र पा द ॥ १ ॥ थो ते क म जा ते जु व

मचातोः शुं स्वरजे भाग्ये वा इत्याकार्यः ल्याय सत्ये लसः मिस तो सके जु या स्व भावः जु न थो स्व क्ता के वरु
दरुष प्रीय स्वयययाय वा के पनु थल वत्त व न टिगा भार्य भा विषे टिः पाय मचा त दय के था कु ने न ल
लाक ह्य तार थ गति य कोः मित्र सि ने ह्य वा हा ल ज स मां थः सो भा व चि नः का टा म छि शि व रण ना ए आ
हा ल सं तु सु जु य के फ वः द्वा द्वि व त्र ना ना का र्य स वः वृ हा थ भा गीः ड व थि र मा म द व गुरु मा च्य वा
य दे व वा पा रु का द र स न त्वा ईः पार थि ला ई थ मं ड वा द य के फ व द्र व क स लः मे हा ल्यः धि रा था य
स वः प्या ख न स ईः आ हा ल हा वः ज्या पु मि क र्मा मा हा द्वा द्विः र हा का र्य स पि टिः सि मा ग य फ र ड
शे वा दीः धि शि जु ईः च तुर या दी भा गी ये ते स्व भा व ॥ तिल क था रा ॥ क पा ल सः ये त सः ज ले सः पृ लि व
हृ ड ये सः रु लु सः जं घा सः गु जे सः पालि सः तिल क ॥ स्व प्राः ल व स ह्ये ताः ल व श जु या धे कः ना ना र
ले व लः प र्व त स्व या धे कः थो ते ख ना व ॥ आ हा ल ॥ जिल स्वा के धालिः इ ड फ ली थो ते आ हा लः धा तु
वा तं पि त रोग व र्ण ॥ ५ ॥ कु क्षे रोग मि त्वा त्या कः कु रा डा रूः द स ड वि ड व र्ण ॥ २५ ॥ मा हा व्या धी स र्व या
म य धि या म य त र्ण ॥ २६ ॥

म य धि या म य त र्ण ॥ २६ ॥

मयधुया मयवर्ष ॥ २८ ॥ एवंप्रवाहायदादिः जोरडाहकुक्षेरागवर्ष ॥ ५० ॥ थोतेराअकात्मतु
 मुम्बालकेयाकडयायः होमकर्मः उदवसेः वगालीसः देवदारुसिः हाकुहा मत्तः पुवाकीजाकीः पंच
 विहिसहितरादेतद्धिआहुतिवियत्रिथजात्रायायः स्वयंमुनारायणः महादेवपुजायाय
 रक्षोपाठयायः पिमरावलिवियदारावियथोतेराअकात्मतुमुम्बालकेया तडयायपर
 मउभायुर्वर्ष ॥ ६१ ॥ अथवावर्ष ॥ १ ॥ म्यानावः मरनदिगादेववंबूध्वत्रिउटीसः वाविहेतुद्धति
 मयशिवः दिगाजिह्वाणामतुजुयुवैसायकृष्णसमिः सतभिषाणक्षेत्रभवंति ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥
 अन्तराधाराक्षत्रयाः पञ्चतानः त्रिषीठमुक्तत्रः पूजयागिसेधाराः मित्रदेवताः वैसावर्षदेवता
 अरवाहीशिषुत्रउत्रवेदासराणासुः हंसलवाहाणदेवजातः मृगसतोः रक्तवर्षः शुथवासुक्रव
 र्वयद्धिमहारत्रविद्यारासियादः ३ः धनुरासियादः ॥ १ ॥ अगाक्षत्रक्रव ॥ ३ ॥ वरुस्यतिक्र
 व ॥ १ ॥ तेरासुत्रोजातप्रसितः प्रजावर्षधर्मसुरशः सिरणेअद्धतसइः यजाहात्मः हासित

संश्रामसधुरः पितामः रत्नजुयं फलः वरुमित्रः दिद्योगिः यरावचणविद्यासधिवः वरुदेव
भागीः अमनदुचदयकीः वरुबंधुः ॥ भार्या ॥ १४ ॥ कायमनायाकः श्रयवानीसदयं फलसो
सोभावचित्रः कउतुककंथाससयुः दिरचंचलचित्रः गितवा ॥ संप्रीतिः ॥ जरायनोरंका
रुनाचायुः ॥ तमरातेलतिवः शरंगासपितिः मृदुसोभावः रूपभिराः सत्यवादीः जसभा
गिक्लवंचतः पियवाग्यः गरावसानाडक ॥ येतेसोभावः तिलकथागाः वाहासः व्येक्षस
प्रिष्टुल्लनाते हस्तसः पालीस ॥ स्वयना ॥ गितवादेः सतपंषिः नाना अरंकारपस्थितिः ॥ आ
गरः लाः डाघलिः डडः कष्टिः प्रीयः रोगधातुः वातपित्तः अजिर्णभयवर्ष ॥ ५ ॥ कासरोगव
र्ष ॥ ६ ॥ कूक्षरोगानावाधीवर्ष ॥ ११ ॥ दुयाभयवर्ष ॥ १६ ॥ संघाभयवर्ष ॥ २५ ॥ अ
तिसालसिमाकाटिणिभयवर्ष ॥ ३५ ॥ सतुरभयः यसयाभयाभवर्ष ॥ ४५ ॥ मोलस्य
कासासेसः सूरुकिसिमाभयवर्ष ॥ ५५ ॥ पुयाभयपालीस्याकथोतेप्रकारनमृउजुयं
फलः परमशार्दवर्ष ॥ ६० ॥ अथवावर्ष ॥ ६५ ॥ एजिवकः अकालमृजुमुमालके

५३

या तउ पायः सिव पुजाः देवदारु समितिः विधिसहित नरक तीलः आश्रिकर्म याच
वा वीधिराः लेख भूमि सवलिविद्यथो तेणाम तु नास ज्ञेय मासेषु मिथ्यां टिथो पुर्व
कारुणी रादे च उधवार यावा चासम इ संम तु भवंति ॥ ६३ ॥ ६३ ॥ ६३ ॥ जेतान क्षत्रया
पंचतल अल कार सथान स जे देवताः ये सायनि गजः का वल्या वा हानः रा हे सजातः म ग सवः
ई देवताः नौ युगालः हा कुजुं य कवः पछी म दो वालः अथः विद्य रासिः वरि पु नः ये ते न क्षत्रः ॥ सति
वा हानः नि कार ये तेः धरा विद्यो सयुः ते न सुते जातः माध विप्रिय इ सनः मरसुर वल वतः मा हा बुधिः व
हु मित्रः के स जा गिः प स थान्य विद्यो भा गि काल स्य वेध स्वभावः विस्वर त्वद्या अले वे ते वि भा वं टा ज्या
पु मि क र्म न रा म दयुः धन भा गि मि र्वा वं ल को धाः तिन भा ज्या ॥ ३ ॥ अथ वर तुल भा ज्या ॥ ४ ॥ स्वभाव
वि न्न वि त्तः वि त्त थितः मे धुन स वि तिः सिल वं त्तः ना यु स भा वः दा ता कु सरः क्र मा वौ ल आ हा ल जु क द्वा क वि त्त प्र वि
मा निः वा पु स वि तिः गित वा स पतिः भा वः अ ति ला स प्र सू नो भा मि रु धि वृ धी मा हा बु धी स ति रु धी

ऊईः दुसिल असत्रिनिमिलीतः माहादुरी हेरुः थमसुपलमदुः सभावः लोभितववादि
सिधुवैतलुसनिभयेजिक ॥ दुवेदसकिवमाने ८ स्वकवाकभति कुसवैतमाभवदुवादिधु
सि सुषिज नक्षत्रायाकः सयानः कायमवाद्यकेथाकः गसिमभिनहेताथमदुः पुनधनमो
वकिवः मखुरवसंवादिजुईः वचनथिरः तववसुनालीः संस्नातांजिासयनपराकोप्रकालन
पडे कलमयतेस्वभाव ॥ तिलकठान ॥ गलवतसः जलेसः हेक्षेवातिसः हसयादेनेसः कानेस
शरवयतेतिलकथान ॥ सप्रा ॥ नानावस्तुः नानापहोः समुद्रखनाधकं ॥ आहार ॥ सबभदेः सि
शायुः पालुः पाठकलीः दुदुः धलिः मिताभेगि ॥ धातुवतपितभकारमनुभयेवस्व ॥ ५ ॥
कथुसाककुहेरोगवर्ष ॥ ११ ॥ माहाद्याधिउद्दयाप्रयेवर्ष ॥ १२ ॥ जोलयाधिरवादसादिनेमारवर्ष ॥ १० ॥
सगामभयसा मेसयाजुवर्षजुलनवुईमयजुईववविहि विसती दानवि वंयवर्ष ॥ ३१ ॥ सिमा
नप्रवतनः कूतिनिभयेवुष ॥ ३२ ॥ वैरागिसः सगद्यातकमसवर्ष ॥ ४५ ॥ यसः ८ याभयवुष ॥ ४५ ॥

५
५
५

सुमाभ्यावस्तथातकजु ईयेतेनमस्तु प्रमसा ईवुष ॥ ८० ॥ अठवीवुष ॥ १० ॥ नजीवक ॥ अकालमस्तु ममा
रकेमाताउयकारयेचप्राहलपुजास्यसतुमारातद्वुबकेमाफादेवपुजायायसमादयकेः वल्यारनमा
यः अश्रिकमयायउउजाकिजाथुयः लाः डाः मध्विदयकावपुजायमकर्तुकालकुलदयकाव
जाउवासुकातेइपंतकाछायअसस्वास॥ वलिविद्यथातेनअकालमस्तुनास॥ ६३ ॥ ६३ ॥ ६३ ॥ सु
लतदेवया॥ जेतलः वहेकथानः मगलाप्रनिश्वत्र॥ ईद्रायनिदेवताः लिंगाहान॥ स्वानसतो॥ अिसथि
मुहुत्र॥ वहीमहाल॥ गरुह्व॥ धनुरासि॥ पलिपुर्न॥ तेनसूतोजातः वाडः तोयी॥ रालदेवताः उमा
रुद्रपुवरगजुसास्यसीस्वभावः ल्याः लुवेल्सः धनमुरोफईः लिठेसुषिस्वभावहिरद्रुद्रपितिः स्व
मस्तुययापुः वहुमिशः वहुपापुनः वहुतधनराभयाहावुधिः हथिजुयिमावुधीवहुव
रनमेधाविः विद्याभातिः अभिमातिरोमिजुईः तातामशनः रवयेयईधरमयंतः दुसिलः महा
रुसवर्थनः प्रवासुषिः बालसः सुभगाहारअठवतः देवकुलः करातनाईवः पवभाया॥ ५॥ अ

विश्वेतिः स्वभावविज्ञः कुर्वितः रोभीकुतद्यतः स्वयं पानः गुरुनिद्राद्यादुरसरंगसप्रितिः छिप्र
क्रोधिः सामवतुः वधीः अटिथ्युजायायुः दातारीसामेसयेकोलहीयुः उवासरानचोरोः द्यायुः ध
र्मसरशाः तिलकाथागा ॥ बाहुभ्यासः जुगलसः पेतसः जलध्रुसः खलसः जघासः स्वात्सः स्वप्राः
उदकस्रमसानदिः हितिः अग्निथापनाः उव्यहानिः नानारक्तलामतिः आहलचिन्ताः भोजरा
थोः इहः कस्मिः मविः यका मयेवः धातुवातपित्त ॥ वातपित्तः अजिर्णः न्यत्रोः गः कुक्षरोग ॥
सिरसाकः कासखासः कमलपित्तः अस्ताडकाः थोतिरोगः अकालमृतुमयवर्ष ॥ ५ ॥ कुक्षरोग
न्यत्रोः गः व्याधीमयवर्ष ॥ १५ ॥ सामेसशिमाणकुतिरिभयवर्ष ॥ २५ ॥ परवतकुटिलास
त्रघातकः अकालमृतुमयवर्ष ॥ इट ॥ कुक्षरोगः स्वासकासः वर्ष ॥ ५० ॥ चौरणषड्घातक
कुक्षरोगः व्याधीयत्येणमृतुकपमआयुवर्ष ॥ १५ ॥ एजिवतिअकालमृतुहरनयातः उवा
यनानाप्रव्यदाणाः सिजलसमुगंधः मुच्यदुचकेदभाविद्यदुव्यमात्नाणासिवयूजायाय

प
श्री
वा

चैत्यसिवथायजलंठभोवगलसि विहि द्वेसिसफलन अ ग्रीकम धुम धुप प्रियं गु अव
सिः राः कुः रुधिर करत पता का पच प ता का स्या न मारा न दय क वली वी य ज्य पू मा से मुर न ह
ब्रह्म सति गलः लं प स अ थ वा त्रि थ स मं ग र वा ल स म् नु ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ पु र्वा रि वा द न ह ॥
प च तालः स क ल था नः वि स थि मु ह त्रः का स्या य ति ग र्जः पु जा प ति दे व ता ॥ वै र ति वा हा ॥ म नु
बे जा त ॥ सा स त्व ॥ प हि म घा लः क र्ह प ति हू त्र ॥ ध नु रा सि ॥ प रि पु न्य ते स त्र जा त ॥ सो ई व
पु र वा सि ॥ जु यं क रः पं द्रित त व ध न्नु ई क र दि र स्य भा वः ध र्म ल माल अ थि र ध न स ज न प्र ति
रा ज से व कः दू ता रा भ ॥ का ले स दा न रा भ दि म ति कः स म्भू त स प्रा क णि ल द्वेः वा ल भा वे द लि द त
रु ना व्य द स न य स्व भा व ते ज सि ध र्म स म स वु धी म श्रि वु धी दे व क ल स्य य र स वा पा पु अ ति य को व ह मी
अ व ध भा र ता ॥ ५ ॥ का य हा ल द ई लि थ ॥ सु वि स्व भा व वि त्त दु मि ल थि ल व व न वा र वे प वि त्र

पुरुषः अविमानि लोपुयायी व मास पुववादि लिथ्य संताप द ई ध स क वी ग ल क र त
ना ला त ना यि य वा हो ल सं ज सं भा मि सा ल मि य क्रा यु अ ति त गुरु भ कि ठ र स्व भा गि
व हु दे व भा गि या धि न क इ थ त स भा खे व ॥ तिल क थ म न ॥ ये त सः वा हा नि रें सः नु ग ल
सः दे दे वा ति स वा लि स ॥ य त वि त्त ॥ स य ना ॥ का यि न पु द थैः प सु जा ति द्र य ॥ छे न ॥
आ हा ल ॥ लाः हाः पा कू थ ते रोग वि ता ॥ धा तु वा त पि त रोग अ ति स ल्प जो ल ग त अ टी
सा ल स्वा स का स क म ल वां दु रोगः अ जि नः मे स थि ठा क थु रोग अ का ल म तु वृ ष ॥ ५ ॥
कुं दे रोगः द व भ य वृ ष ॥ १२ ॥ वा रा ध ल भ य सि मा न कु ति ति भ य वृ ष ॥ २० ॥ सें ग्रां स
कुं दे रोगः अ ति सा ल वृ ष ॥ सं ग्रा म य वृ ष ॥ ४० ॥ वि र व या भ य वृ ष ॥ ५ ॥ स्रु सि
या भ य वृ न म तु र व न डि व ति ॥ ॥ थो ते न अ का ल म तुः म मा ल के या त उ पा य उ द ग सि
वा क रि सि दे व दा र सिः स मि न सिः जो थ जु क मा य अ ति क म या य ध यि ते वा ध्म न सं स

ति स्तस्त्रियायः व द्या व नद्यायः माद्यमासे द्वादसाः ये तेः कलक्षयः सहप्रमआ
 यि ॥ वृष ॥ ६५ ॥ अहवावृष ॥ ६५ ॥ नजियतिः योतेन देवैः रुचः धाहु च रे सरात्रि
 मनुभवतिः क्षोकातिनिनः तेहो नः तामहिडा वः नरोवधनः माक्ष ते मनुवाधसम
 नुभवतु ॥ ६५ ॥ ६५ ॥ ६५ ॥ अत्राश्वदमक्षत्रया ॥ पंचतलनं क्षोत्रसथिमुहुत्र ॥ ३० ॥ राज
 प्रदसथान ॥ वैश्ययत्र ॥ विष्णुदेवताः विस्वदेवता ॥ वहि मद्यालर ॥ वृहे सेक्षत्र ॥ सनिक्षत्र ॥
 धनुरासिपाद ॥ १ ॥ मकरासिपाद ॥ ३ ॥ तेन सुक्रजत ॥ वैधतिवाहो न ॥ मनुर्वेवो हौ न जातं ॥ सो
 सतो ॥ रकुर्वो हौ तं वेदेते ॥ वैधतिवाहो न ॥ मण्यजातः सामतः रक्तवरनः अथवातोयुः स्वा
 लः प्रदेक्षामुषिः सिचलपुत्रः अहेरपीयः विषययुयुः अमिमान्यः राप्रदासवासः शओ
 कलावः माहापिठिसदाः चादः द्यकक्रिपणः ज्वापुमिडयवासः धर्मचित्रः मेहरय
 धिणाथायरशः वायंकन्यस्मवः आदिराडायुः बालवसडरीदुः वारोमिणानिणमा

वि१

ज्या३: कारासचासोभाशि: ~~अ~~ व्या ~~अ~~ हारस्वभावचित्र: कडनुक: अथाहसव: ध
संसिद्धाण: प्रवागेचिच: कुलचेत: सस्यप्रितिकालप्रिटिजुयु: अमिमांनिचे
त: मंधरवम: लेचिनि: हलसड: वणिजापसु: जातीराभागी: येतेस्वोभावमवे
त: ॥ तिलकचिगा: ॥ जिसवाहांस: निपाहसस: उभस: मुख: देह्यातिस: खलस: पा
हिसा: लप्रा: ॥ जलकदा वलुचया: थठिरासचया धकस्त्रशिव ॥ आहलन ॥ सर्वमश्स्यायु
धानुवातपित: फस: सतिर: अकालमटुवरषा ॥ १५ ॥ प्यतरोग: दुयाभय: प्रिकासयुणि
भयवरषा ॥ १६ ॥ माहवाधी: कामलपितवरषा ॥ १७ ॥ हतालसनामजात्रावरषा ॥ २१ ॥ म
नुजोरडाचवरषा ॥ २४ ॥ नीचीणकोतिनिभयवरषा ॥ ३२ ॥ चोरभय: पुसियाभयवरषा ॥ ४० ॥
संधाससयनाववास्यामटु: घालणव: थोते अकालमटुसुम्बायकेयातडपाव: सि

कर्म चेतः प्रसक्तमः कालचित्तैः ^५कौशियते स्वभावः॥ तिलकथागा॥ ग्रन्थ इदरेः कथु॥ ये त
कुच्छः पात्नीजघान्यः पादेः थोते तिलकथागा॥ खपा॥ अग्निचात्रा पतारी भुतिखनीवा॥ व्याह
ले॥ लाः जः वाः युः पालु॥ थोते यवः धातुवात पितः रक्त रोगः नेत्र रोगः दन्त रोगः गलुमालेः कर्ण
गुल्मः ~~सु~~ मुखमात्रकः वैसर्ये जालः भगत्तचाः सुसंलयः थोते रोगदिणमासवर्षा॥ ५॥ वैसर्ये
रोगः थोते ~~वर्ष~~ मृतुष्ववर्षा॥ १२॥ कुरोगजोर अतिसात्रः वर्षा॥ २०॥ सितनिमिष्रतिणः इषदयु
वः वर्षा॥ २५॥ सिमायाभयः साः मेसराचोयुभयभयदवर्षा॥ ३३॥ कुक्षरोगजोरः थोते मृतुष्व
वरषा॥ ४०॥ पुसिभयः साः मेसराचोयुभय॥ ५०॥ जोरकुक्षरोगथोते नमृतुष्वभयउक्ता
लमृतुमुमालकेयातउपायवर्षा॥ ६०॥ ७०॥ ८०॥ १००॥ नजिवतिः मृतुदिणः ज्यष्टमा
स्यउचायाउसनिश्चरवाररदिणभविष्येतिः अकालमृतुमुमालकेयातउपायदेवदारुसि

५
३

यतविधिराः सोमकर्मरुसस्तुतोतस्यनुहनाव. ५ वप्रहालपुजादयके. महादेवपुजायाय ॥
लछिने तथा यः सहायक म्रदयकं सातिस्वसतिः वलिविय थोतेनः अकल्पमृत्तनासभि
मिदाराविय प्रसादविद्यग्वत्रिभा. जे लायाके. कुसलकर्मयायः पंचरक्षायाथयाय ३५
वोदेववर्येकतात्रोचरावरति ३५ धोराष्ट्रदिस्यते गृहे मृत्तु ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥
धरो तानधो जया ॥ सप्रतताल ॥ उच द्यार ॥ विदेवता ॥ पुजाविनि देवता ॥ गज ॥ तिरस
थि सु हत्र ॥ आलवा हन ॥ रा ह्ये सजात ॥ सिध सतो ॥ मकरा सिपादः १ ॥ कुंभरा सिपादः १५
सनिवर ह्ये ॥ तेन सुती जात ॥ वित्तुन ॥ अठवा वपुरवाल ॥ जुय फर ॥ अभिसुतः पतम ॥ ताता
सलन ॥ धिज वत सप्त सत जन न प्रितिः सल व शेभिः अभा गि दु पिः रिठे सुषि प्र दे स स सुषि
मथावि ॥ विस्रु मवहु पुत्रः बहु मित्र भोजनः वचन थिल माया बुधिः हथि बुधि ॥

ति न भाज्या ॥ ३ ॥ दद्यात् ॥ मे हलेत्यभवादिनठाय सप्रितिः लतलंग प्रसादिक ॥ सतेवादि ॥
धु मसलस ॥ न पुनज सेवकः मेवया अस्तदिया केससः मैथुन संग्रहः होतः ॥ सदिनः वैसा
षमासेः धरमयायि अहरेरयावारनमा तेयायुः उधी वंन ॥ वस्तुधन दयि सयानजई
चं वलवित्त अभिमानि ॥ द्विपुको धि ताता रो गि ॥ काय दये केत क्षा नि कुल सिथ मवयु ववे
रागिजुयं फव ॥ देव पुजा सरस ॥ धु तेस्य भा व ॥ तिलक धन ॥ पृष्ठ ना सधः पोह संपा लितलस
गुहे सधु ते तिलक धन ॥ स्पृष्ट ॥ देव दं को नि दान या हा अग्नि ज्वालादि गवि दे स रचना ध क धाया
च पात नाना व्या तु खन ध क रत्न रना ध क ॥ आ हा ॥ ला ॥ द्या धा दि कु कती घोर ॥ यव धुत ॥ धा तुवा
नोपित रो ग शिर रु रु हे रोग अ काल म तु दिन मा स वृ रप ॥ २ ॥ मुख पात क जोल कु हे रोग वृ रप
॥ ४ ॥ मा हा धा धी मे रसा क र्श ॥ १४ ॥ अभि वा ल भय सत्रु भये धु ते न म तु व र्श ॥ १० ॥ गु ने म सु

रसख रोगि वरु ॥५०॥ अ भिषाल भय सनु भय न ॥ ११ ॥ प म यु यु ॥ अ काल म
 तु म मा र के या त सां ती ॥ व लि ति यः सि मा पि ये था स ग ति भै ज न या के सं माल क म सि का ल त ए दे व को था व
 ना आ य भु त न अ काल मु तू ना स पु म आ यु व र ॥ १२० ॥ न जि व ति ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ स त मि त्व न स त्र
 य क ता त्र मि ये च द स मु रु च व रु न दे व ताः द स भ या नि गो त्र थु सा वा हा णा तुरं ग स तो उ च द्वा र प्र वे स
 सो री क्ष त्र कुं भ रा दि पा रि पु त्र अ थ रु मा र जा तः र क्त क र्म व र्चः च र्म स द्वा कः क्ष पि क हः चि त वि रा प षा
 दा र ज से व क रा ज पि तिः परि वार य को द युः थि र अ र धा भा कः परि त वि चः क्ष ण पुं न्य दा ता री मे व व नु
 य य वः अ ल सि त म बु धिः मा या बु धि मा म बु वः ग्र ह वा दीः आ ष ल सं प्रि तिः व लि जा त न क र्म य सु
 भा गी ध राः पु न्या ए त्ना भः वि र्क र्ण स द्वा र ति र वा हा ता हा कः व ति मु कु म भ स मः स त्ति सो भा वः दि द्य रोगि मि
 म पु न्य तेः व स उ रः जुर से वि रा हा न्य म धा वीः प्रि य द र स ए अ वि चा र भ य स र्ध त भु धिः गा ण व स प्र
 ति द यु जा ग त स द्वा सा नी सो भा गो व रुः अ वि द्या जा त जु यु मा म कु तु व बु यै धिः स ला व ता का र्ज न

प्र
 म
 अ
 व
 र

तव हृदयुनि राभाज्योऽसौ लको तु कथा नृत्ता पुचारचित मेथुणसष्टतिकलात चरुधुसत
अभिमानमकालप्रहक अशीर नरभार्गः रदवसुसिगंधवायपियसर्वेन परिचृतसुदुअ
तितगुरुपुजायात असत्यवादीसोभावचित्तः तिलैः धानः वाहनसः गहनसः पाखः उदरे हस्तः जयोः
वादे सः उरुसः मुखसः स्वयनाः नाडीदोगाः सरपः डरसूत्राः देवतप्रः सोमतिः सा मेसः राजअ
लकारः ॥ आहत्वा ॥ सा लिभोजना प्रधिः छिरः धिलिः लाः डाः समसमयवः धातुवातपितः अटिसालः
अजिर्ण मोलस्याकः कछुपाय अमिचाराभयनानाभुतः तत अकालमृ नृणागदिणमासवर्ष
८ः अतिसालः मुखउयातवर्ष ॥ ७ ॥ मिखास्याकः वैसर्पवर्ष ॥ १६ ॥ अतिसालवर्ष ॥ २० ॥ पु
याभयवर्ष ॥ १५ ॥ समुत्रभयः हिदयसमुलः कुदरोगवर्ष ॥ ३० ॥ अमिर्चिर्चिवाभयवर्ष ॥ ५० ॥
सुयाभयः सनिपातहृगलरोगाथोते प्रकारणः रोगाणमृ नृख अकालमृ नृमुसालकयात
उयायः हामकर्मयायके समयपुजा तोयुः चनसतयावधर्मधातुपुजायायः स्वरूपनपु
जायायः सानिहासति वल्याचनपुजायायः प्रमउगयुवर्ष ॥ ८५ ॥ राजिवति भाद्रपद

पुर्वर्ध

मास्य कृष्णपक्षमरुतिणाक्षत्रयनिश्चयेवा... ॥ - ॥ ॥
पुर्वर्धद्रुनक्षत्रेया ॥ दृताल ॥ धौरसतनजलस्थान ॥ विसृष्टि मोहक अभिवर्द्धदेवता साङ्गाकस्म
या नीगोत्रकोकिलसथाणकोपातिवाहाणः मुनुष्यजातः एवचासतो तोयुह्यासुवर्न उर्यप्रवास
सनीश्वरक्षत्रः जिवक्षत्रः कुमराशियादुः मिथुराशियादः तेनसुत्रोजातः मेधाविः धर्मस्मिन्
गामिरस्यभावः समस्त बुधियाः नाना पुरुषथायायुः सास्त्रशायवः मेवयातविर्ध धर्मसुर
निपुत्रैर्विदेसससुषिवात्नरवसडधिः आखलसप्रितिकेसभागिप्रचणजुलसः रयप्रितिय
कोः गंधर्वप्रितिः शास्त्रशायः नमानोः अर्थभागीः सत्यवचणः सिरदन्नवनिजालपुत्रनाम
चेचलः नाणविष्णुः प्रियदर्शणसोभावः गितवादीसप्रितिः गन्धर्वमानेः कौतुकः कथाहास
युः तवरोगिनुयफवः वरुप्रचौरवुधिः निस्यदेवगुरुभक्तिः जिकः बहुदासदासिववहुमि
त्रहिलेयवः बाहुवंदेनमिहातासि योतेसोभावा ॥ तिलकथाणा ॥ नुगस्तसः स्वास्तसया

व पुन्यकारि गर्भव मात्ने प्रितिः देवकृतः ॥ ७॥ ना कथा सदा ह माणाः व ह दत्ता
वाहाता हा कमिखा वर्गो लय सुजाति लेखता व ज्वापुमि कर्म जुयानः कुते मृदधि च
वक्तुः वक्तुमित्रः वक्तुश्च रतिप्रिति स्वक सता पराः वर्ज चनुभा ज्वापच सपुत्र यरिवार
यं को दधि सं नुतजन वति पल याधि वा के भी दु गत्य भावः कोर्धः चाद्र सः मग्वाकः व्याधी दयुः लि
हे वि दे सः सुरिः हा क वैरा भाल मना ना ज्वा स यि द्र वेद्या अ नुरु व थो र ज्वा थ जुल सा मि सा त स्य
भावः माया बु धि स्य भा वित्तु को ग्या ना पुल्वा पुल्वा पुलु सिता हाल हा क नि पुने जुल शौ कः
आश्वल स मु मा म बु व ड ग ह वा दिः नय स लु र पू छ ति काल ग्या क थ व वता था स मि व स मा ग म
प्र दे स व ने य व कौ तु क क था हा स्य भा व थु ते ॥ तिल क ठान ॥ वा हा सः जरो सः पालि सः दू दे वा ति सः ग
भे स ॥ स ग्रा ॥ जल कु दाः लान दे व डो ला स वै वि चा स य म ॥ आ हाल ॥ जा अ दिन स म स ल स ॥ आ तु वा त
पितरा ग वि ता अ काल म तु व स ॥ ७ ॥ कू हे रोग व र ॥ १० ॥ मुख वात क कु हे रोग व र ॥ १६ ॥

जोल भयः देतु दोर्य जोनि सनि पात वर्य ॥ २५ ॥ जोल वात रक्त पित्त कूट रोग सामे स न जो यु भय वर्य ॥ ३२ ॥ स मा म
सामे स न जो यु भय वर्य ॥ भु काल म तु म माल के पात उवाय ॥ मा हा दे वे पुजाः हो म क मः वलि वि यः साति कु मः रक्षा
ये पाथया यथो तेन सति ॥ पु द म भु यु व र्य ॥ १०० ॥ न जि व ति ॥ भा प्र व क स प हूः स ल मि आ प्रान क्षा तू रे मंगर वा
वे र रा वि स म्भु त ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ र व ति न दे त्र या वि स ठि मु रु च वि दे स था रा यु षे दे व ता गन्धर्व वा
दि दे व ता भा र्ज्या ॥ ८ ॥ द यु ष गन्धर्व काल रु त्या रां च क वा हा रा दे व ता तः गज स तो मि रा रा नि
जि व क्ष त्र अ रोगा सु त्रो जा तः स त गो त्रः सौ ध र्म सं र राः प र डी तः आ र व सै ल स प्र तिः सि त्ना र य व
या तः प रि दू र रा जा त जु व मो वा तो कु तु व व दृ थि च म्म सि त्ना दे व ता आ र ध रा या क प्र य चे त व ॥
धिः कु वां दे वे वा हा ल सि त्ना व रु रा पि ज रा व ल स वि द्य स द य का क न्या त्ना भः रु स य धि रा
इ धि लि ध्य स रा ये जु यु व ध रा द व थं भा व प सु भा य पे द यु व ज्वा पु मि क र्म या ना रा भा गि जु ल सा
वो वा ल आ ल म स म स थो या प रि पु र्न आ दो र व स वि स म नि न य नि रु

पनिमिद्वेषानानामिसाजरायप्रितिमित्रचुनन
हृदयुवः परिजरायकोः सलतवः देन्यमिमेः पिणसइमिजराजुनसामिसाथनयुमिखाच
गोत्रः वैरागिस्वभावः थोतेचरित्र॥ निरकथागाः वाहानिखः जुगलसः येतलः पृष्ठगुञ्जो
सहसमुत्पलसम्ब्यः स्वधा॥ जलकदाजधताइनेचोनाः देवपुजायानाद्यकलाः डाः सर्व
मिसाः स्वाणसशाः आहाचिता॥ जेथाविजुक्तसभक्षः॥ वातुवातपितः रोमअकालमृनुव
र्यो॥ ८॥ मुखयातकुदरोगवरयः ७ : १८ : १२ : हलायथस्याकअर्जिर्नसेखमः वा
स्याकः कामजोरमिरयास्याकसाः मेसयाभयः वर्यो॥ २१॥ पुसियाभयमिसकोतिशिभ
यवखेइ२ : सग्रासभयवरय॥ ५०॥ अपराधभयजोरहृदयवृथासः नुरयाभय
थोप्रकारकोयकृतसावरय॥ ७१॥ उयायः पंचप्रहरद्वइइइः दयकं वर्मियातुपु

जोशकर्मकारगन सात्री स्वस्ति कर्म वत्पाचरायाय पद्मआयुर्वर्च ॥ २७ ॥
मनावभाद्रवसुक्तापूर्व मसिरेवतिक्षत्रमनुभवति ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ASHA ARCHIVES

1.450	
-------	--

ASHA ARCHIVES

सुनिवृत्तः

सुनिवृत्तः ॥ दत्ता तः सति तिसमुद्रप्रवादे वता गंधर्वदेवता राक्षसगुरुसुरयानि गो
त्रः सुद्रवाहानः देवजा तसता सत्वे रागा सः यान ह्या सुत्र न ॥ उत्र द्वार ॥ अगार क्षेत्रः मेषरासिः
अवेन सुत्रा जातः जेज सिथान नायकः भागीः सोयल सता या पुः द्वे पूर्व कि वः रुनो द्व्य कु या युः द
दा कि जा या कुः नाना लोकः चंचल चेतः धृति ऊर्णाति जु वः मो जा तोः को तु दा सा सत्रः सयि वः वाष स
दीरे द्रः मंत्रा प्रमा वनः प्रसाद का यु वः लेदक वचनः विससुखिलः वल वंतः सेवकः उद्दे म बुधिः
लष सत वी प्रियः वान का जालः का यु वः हेतिता म वो डः च पल या लि ज्या कः गाल ज्या क द युः मि सा तो
स के मि लाः गुरु के न त्रः से ड वि द्याः य म स याः यो स न जु यु वः अ मा तिः सकल स वा प्रिति आल म या
को कार्य सिधीः व जालिकः पुजा या यति ज ग्य पुजा या कः रा वि स दाल स ल प्रि डः स ले स ले बु धीः ध न
द व ह्न क ला त द यु वः क ला त व प्रिति म डः स्मृ तु न जु को के माः न ह्म मनः पो त्या च च के म फुः पु न ध न
पु या फु च कि वः ग्या च पु व च नः ल स ता का र्ये स प्रितिः स्मि ट क ला ब ट द यु वः परि वार त व ह्न

दयुः कायस्ते च याकुः मेव बोचलये फयः मयि वतः सिमागय दाल योति स्वभाव तिल कविन ॥ मिषा
सः जाले सः याको सः गलसः योति तिल कविन ॥ ग्राहा सम ॥ ग्राहा लसतु समजुवा धातुवा तीये त
कु फ ॥ अका सम तु अतिसाल वर्ष ॥ ५ ॥ वेसर पे ॥ १२ ॥ जपल व्याधी वर्ष ॥ १५ ॥ अ
तिसाल रोग वर्ष ॥ १५ ॥ यस्या भय पु सिया भयः संग्राम भयः वैराग जु या दे सं हिल
व मालि व वर्ष ॥ ३२ ॥ जोल अति र वर्ष ॥ ३५ ॥ कलात या निमि न भय वृष ॥ ५० ॥ कु
क्षे रोग अग्नि मे द द्या त क वृष ॥ ६५ ॥ जोल साः ये स्या भय वृष ॥ ६९ ॥ मा हत व द व जु यु
॥ धृति अकाल मृतु म मालः फि य या त सा ति विधिः धम धातु पु डा या य ॥ जोगे या य ॥ सी व कु जा
या य ॥ कल्पा चनः सा ति स्व ति पु जा या य वर्ष ॥ ९९ ॥ अका क ति क मा स्य सु क प ह्ने दु त मा ॥ प्र सु नि
न क्षे त्रः आ ति तेः काल मृतु दिन भवतु ॥ - - - - -

५
अ
थ

भरुमिनक्षेत्राविधानः त्रितलः पक्वदसः सुद्धर्थः थंस्त्रिपाथनिष्ठात्रः त्रिको नसथान ॥ ज्ञोममैरदेवता ॥
ः एहदेवता ॥ श्रेतवाहन ॥ मनुष्यजातः किसिसत्त्व किसिसत्त्व ॥ पितवर्न ॥ वामुः ता युरवाला ॥ उत्रपहि
गनद्धा ॥ गगारक्षेत्रः मेघरासि ॥ उत्रद्वार ॥ अथसुतो जातः उरुस्यभाषा ॥ अथारचितः पापवृद्धिः
खासयुः आलः फोलवचरुहायु ॥ तोजवनभाभिः भोगिः देवपुजायायुः गुरुभक्तियायुः सुभगति
नासः मित्रसामनुः बालषसमदुषिलिये सुषीः धनदयुलाहातसमचोडः पुण्यवनसलोभायायु
जोलाहाः स्वावा असप्रसक्तकार्यसिद्धि जुयुससेवकज्यात्यानेसवतमकालिः मेवस्ययमुपुः स्वा
लिजुयुः स्वचोसोहृदयुः कायः मोवादेः लखसमद्धालिः योतेसोभावा ॥ आहल ॥ ला ॥ उइइः धलिघेलः
कस्तिः लाइः रुकुपालु ॥ योतेप्राहायातुकामरोगजोल अतिसालवाधिकहुमोस्यकश्चलिअका
लमृतुभयवर्ष ॥ १ ॥ जोलनपुयुः सस्त्रवैद्यालजुयुवर्ष ॥ ३० ॥ विषप्रयवर्ष ॥ ५० ॥ देव

देवनागिनिजोत्तलसंनपातः शीतोपिप्रफुल्लसावर्षः॥६६॥ अथाउपायभूतबन्धिविग्रहः
मक्रमजलजर्गे ह्यपालपुजायायचर्मवुर्गात्तफलेद्रयके॥ योतेनकीर्तिकधनस्तत्राव
धवार॥६७॥ रात्रिमृत॥६८॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥

कृतिकाशास्त्रे त्रया विधा त ॥ अग्निहोत्राद्वा हाण राक्षस जात ॥ १३ ॥ द्वा गराशतः वैसायनि
त्रयाथी एभीडः रक्तवर्णः उन्नहार ॥ अगारस्त्रे त्रयाद ॥ १ ॥ सुक्रक्षेत्रपाद ॥ २ ॥ मेघरासि
पाद ॥ १ ॥ वृषरासिपाद ॥ ३ ॥ अथ सुत्रा जातः मेधाविपित्रीः द्रक्ष्यायुः प्रस्वरजे भागिः
सम्भलो वीप्रितिर्युः वरुपुत्रद्विउ वखमवुधिः सतेवादिः क्षत्रीयाकुलवकुमित्रीक्षम्भीजुपु
राजस्यवकाः देवदयकेचित्तदयीडुतिप्रभार्यवचनभयाक्रप्रसदिकाः देवगुरुः मामववुसन्पासिः

जंगमयाके भक्तिः सिसवचैतः गुनवकाः दातारिः अवतारिः तेजवकाः बुधीवकाः च तक्रोथिकीव
तः थिरवचनः कासिकौतुकसप्रतिः सुगन्धवस्तुनरे पतयायुः गुनवका करुनावका क्रोचिव
चतथिरयो ते स्वभावः तिलकयानमावे ॥ ललातेः नासेः उदरेः नागालिगः ॥ स्वपना ॥ अग्नि
ज्वालाः योः भक्षेः भोजनयाडाधनपुसिसंजुयाचकः स्रुकिषीषनावकः देसांत्रभरमनजुयाध
कः देवपुजायाडाधकः ॥ आहल ॥ सालिप्राजनः इहः चलिः घेलः काष्टिः लाः डाः पुलियद्या ॥
॥ यातु ॥ अकालमृतुजो लतिसालमादस्याकवर्षि ॥ १ ॥ पखालवर्षि ॥ ६ ॥ नानाव्याधिः ॥ साः मेस
याभयवर्षि ॥ १८ ॥ मोदसाकः बुयाभयः माहाव्याधिपेतलोगवर्षि ॥ २० ॥ लुननानासरत्रया
हारकषुयाना नाद्यालजुयुवर्षि ॥ ४० ॥ मिखास्याकः मोलस्याकः यतीपिय परतसाः सतीदिहा

वर्ष ॥ ५० ॥ ६० ॥ ६१ ॥ कातिक मास रोहिणी नक्षत्र बुधवारः शुक्ल मृत्तुदिनः सप्त रात्रीन
मृत्तु ॥ ६० ॥ अकाल मृत्तुया सान्तिः होम ह्येयं केयसु तयेन वलि विद्यः सान्ति दाना विद्युत्तु वरनद
हिना विद्यद सरीत प्रमान ॥ १० ॥ कासनाला सतस्य गवरुत सदाना विद्यथ त्रयोहितन ॥ धरमचातु
पुजाया यः पंचम तनः पंचगवन पुजाया यः धृतेन अल मृत्तुना सः आर्द्राति विस्व न विस्व हस्त्र आ
र्द्रातिः ऊरु तो ज्योथायः फल पुलद के दाय यो ते सान्ति जुयुवः ब्रह्मादि पुजाया यः प्रोजन
याय के ॥ ६३ ॥ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६३ ॥ ६३ ॥ ६३ ॥ ६३ ॥ ६३ ॥ ६३ ॥
रोहिनि नक्षत्रा नाम जात्रकः आदि तेनी सयि सोमनी भव भव अगर्न मृतः वुचन उत स
तिः यद सति नः अल मृत्तुः सक्त नमलः सति सरे न लाभः पुजा यति देवताः सरव व्रथाना ग

लाव रन॥ प्रलुसावाहन॥ मनुष्ये जात॥ नागत्व॥ पितवरनः सितवरन॥ पुर्वद्वर॥ सुक्र
क्षेत्रः वषरासिः अथ सुत्रजातगंभिरहृदयसतेव चण्डाया प्रसादिकल्लो ज्ञानलाभवपा
रयायुः भागिजुयुः सस्त्रामससुरजुयुः वचनसिधिरजुयुः वडुर्वापित्रवडुयुत्रः कलातङ्कः
दयिलोकनाप्रतिदयुष्यालिसरसबजुयुमेरुलोचनथायसायिः नृपनाथसः रसजयुः
देवधर्मः प्रतियः मामवुवसकेभक्तीसदेयदयुः श्रेमादयुकोमलवाकेः नष्टचित्तसोमाद
जुयुः ससदातरिसास्त्रसः रसजुयुः वलवन्नः जुयुः प्यातसकौचस्यभावः॥ तिलकसूत्रा
नः गलवैयोतवालयः देहेपातिसः जुगलसः प्यतसगुहेस॥ स्वायना ॥ कुनयुयाथकाः ल
खसहेताथकः सपातिनापालाक्षकः यवज्ञसडव्यहानिजुन्नधकः थय्यधकहानिवः॥ आह
लविंता॥ कलातमफललाभजुकोः दयिवचंचलसाभावः॥ आहासमस्तयेव॥ आका

लमृतुवर्ष ॥ १ ॥ जोलव्याधिबधालमाडुकपुष्पाकः देयरेगनमृतुवर्ष ॥ ५ ॥ ह्रस्वये
 लस्याकवेयाश्रितिसालहिन्दुतासयायुवर्ष ॥ २० ॥ सग्रासमृतुवर्ष ॥ २५ ॥ परभीवालन
 मृतुवरष ॥ २६ ॥ सस्त्रमसूनद्यालः सीमाः साहनेनकोतिनिवर्ष ॥ ३० ॥ सुनष्टिगुवत्वा
 जवसस्त्रयालसिमाः दालजुयुवर्ष ॥ योतिप्रकालमुमालकेयता ॥ माहलक्ष्मिपुजाया
 यः ताथिवस्त्रदानवियः पंचमस्तनजायतपुजायायः महादेवपुजायायः साकीकजगे
 यायः हलीहिम्राहोतिवियल्पावनयायः कुह्यारिपुयायः योतेनम्रकालमृतुः नासप्रमात्रा
 यवर्ष ॥ ४६ ॥ म्वायुः मंगसाहमास्यपर्वभन्दुनकेत्रमंगलवारमृतु ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥
 म्वायुसलानकेत्रयाः चलावाहन ॥ ६३ ॥ दे ॥ देवजात ॥ शांगहते ॥ सुकनसिथिः सोमेनमृतु

[illegible]

॥ सपनाविधि ॥ श्रेय जुयाधक ॥ वचन किसि सङ्गुसा वायु लिखना च का ह्यतिः प्रकार लोग सदा दयुव र्खि ६ ।
 मो हस्याक मृतुख्य वर्ष ॥ ८ ॥ मष प्रयः ॥ अतिसाल प्रय वर्ष ॥ ११ ॥ सुया प्रयः साः मे सण प्रयः कोयु प्रय वर्ष ॥ २५ ॥
 मिताया मिताया प्रय मरुह वैष वर्ष ॥ ३ ॥ सतुरयानि मि सती न मृतुख्य वर्ष ॥ ५० ॥ प्रदे सग मनया ले मृतुख्य वर्षः
 ॥ ५५ ॥ सव सव प्रय सव प्रः प्रहार ख्य वर्ष ॥ ६१ ॥ युलि प्ररै कार मु म्य ल के यता जाय ॥ साति अग्नि जगे आग
 म स पुजा पंचरक्षे या यदि न ह्रस ह्रतो सी सा फल दान वियः वलिक मया च केः प्रमा पु वर्ष ॥ ६१ ॥ साज वः मा
 र्ज सिल मा स उ न षाद न के नः सम वाद सरे मृतु प्रवति ॥ ६३ ॥ ॥ ६३ ॥ ६३ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६३ ॥ ६३ ॥
 आद्रा नक्षेत्र या नाम जातः उच च त्वारि म हर्तु ॥ विवा दान ॥ मनुष्ये जात ॥ सान सतो मा युर्वा दार के न ॥
 तोयु स्त सुजनः तुय क्षेत्रः मिधुन रासिः युति पात पाल जुव मो चा तोः प्रसादिकः वाभिडः विसाल मत्र मि राभि
 ने ते ज व स न स स पि व या निः सिल स्वभा वभिडः ससि युः स्वय तु य या पु हि पु स क्रो धः अल सिः
 कृ प निः दु जन अ यु थि व वनः अभि मा निः लो मिः स्व व क जु ईः विद्या स मुः वाल व

स दुषिः पुरुषजुवसां मिता स्वभावः ॥ तिलकधृष्ट ॥ गलपतस ॥ मुख्यस्ववासः नुतिसः
गलपोतसः मूयः स्वपातसुतुतिसः लालास्तसः गुकोस ॥ तिलकयात ॥ स्वपना ॥ स्वसानसजुयाचकं ॥ हि
तिसजुयाचकं सलिलल्लोतधवं ॥ नानाग्रकालवनाधवं ॥ यया ह्यति ॥ आहल ॥ समस्त
यववै पावपनयसलग्रतिजुपु ॥ आहल ॥ कदाचित्तः यका लमो लस्याकः मृतुप्रयवर्ष ॥ सदनगडन
द्वयनासजुयतं फववर्ष ॥ सिमासाहान्यनकातिनिभयवर्ष ॥ १० ॥ येतलोगनमृतुवर्ष ॥ २५ ॥ सुसिजुय
भयवर्ष ॥ ३६ ॥ नानाससत्रेद्यालजुपुसंदिपातनमृतुवर्ष ॥ ५० ॥ सखागलनपासाकरोगनमृतु
भिरि ॥ अकालमृतुप्रययासंतियायः ॥ वेलवेलजागुजाणयः ॥ कुमारिपुजाणयः ॥ जगेयाय
माहदेव ॥ कल्पपुजाणयः ॥ धारिनिपाययायके ॥ देसवत्वपुनरायः ॥ योतेनसांतिप्रमानपुच
र्ष ॥ ७२ ॥ पोषमृकपुर्नमापुर्नवभूतनक्षत्रसमृद्धिदिन ॥ ६३ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६३ ॥

पुनर्वसुनक्षत्रयाविधिसेम्यनीसिचीः सनिसदनमृतुदत्तालयेवदसमहर्ष्यः बुधदेवताः
 आदितेदेवताः धर्मिष्णुग्यत्र ॥ यत्तेत्यानवाहनः देवजातः मंजुलसखोः पुर्वदुवातः
 पुर्वदक्षः चंद्रक्षेत्रवाह ॥ १ ॥ मिथुनराशिपाद ॥ ३ ॥ करकदराशिपाद ॥ ४ ॥ धृतेप्रकाशनजा
 नजुवमकातः पुंनतयायुः स्वयययपुविष्णुसयुष्मागिद्वयपरिपुनदातारिजुयुष्मानिमत्रस
 पुष्पीरगतिचेतनायायुः स्वभावकोतुकः दकोष्णसः सादिकयर्मससीलवत्रः आलमसीतीः दया
 धुरिः प्रतवादेसयुः नामजात्रदयुः देवगुरुः ववुमातयाकेभक्तः राजेकसः सेवकजुयुः बालवस
 दूषिदेसात्रजुयानसूषिलाकातसः सवचक्रपद्मलेवादयुः ॥ कलात ॥ ३ ॥ पुत्रसह ॥ ३ ॥ दयुः
 बेलम्बातिनदमुः तिलकथान ॥ वेतसः तुहिसः नुगलसः धोतेतिलकठानः स्वप्नादेवदकोष्ण
 लधनायाज्ञानधकसुवर्नवसतुश्रुलंकोलवनातिषधकथवसलिलंयुयाधकथथेध

कस्तुरिवा॥ आहल॥ इह कसीयपुरोगिचिंता॥ चातुवातयित्तरोगयतरोगणमृदुवर्ष॥ ३॥
 वेसरयेकदुरोगः तुंघीसलससके॥ ४॥ तिनिप्रयवर्ष॥ ५॥ सिमाप्रवतकेतिनीभयवर्ष॥ १५॥
 लयणप्रय॥ समेसनचोयुप्रवर्ष॥ २०॥ ससत्रद्यालप्रयवर्ष॥ २२॥ ॥ अतिसालरोगभयवर्ष॥
 ॥ २६॥ रोगद्वेषभयवर्ष॥ ५५॥ संतिपातरोगवयाप्रयवर्ष॥ ६८॥ जोरअतिसालनृमृत्॥ ॥ यत्ते
 अकालमृतमुमालकेयातउयकासातिकरमः॥ अहुतोयंचरहेपाथयायः॥ चोतन्ययुजासिव
 युजा॥ आमैगमसयुजाः॥ अतिपुजाः॥ वल्पाचनदे॥ ३॥ ॥ पालयुजाः॥ दद्यातससहजुयुप्रमा
 मायुवर्ष॥ ८१॥ युलिम्यायु॥ ॥ यौषमास्य॥ ॥ पुनीवसुनदे॥ ३॥ ॥ सतिचरकारसरे॥ ॥ दिनमृतु
 प्रवते॥ ॥ ६३॥ ॥ ६३॥ ६३॥ ६३॥ ६३॥ ६३॥ ॥ ॥ ॥ ६३॥ ६३॥ ६३॥ ६३॥ ॥ ॥ ६३॥ ॥

पुखेनदे॥ नत्रया॥ सतिखरने॥ मार्धीव॥ हसेतिनः॥ मृतुत्रितालविसतिम्वरुथ

व हसेति देवता सनि चर देवता है रुद्र यती याति वत्र विदे सथान ॥ पुर्व कल सवा हाण ॥ दे
व जात ॥ हाग्र सतो ॥ पुर्व हार ग्र वे स ॥ चतुर्केत्रः कर कतरा सियाद ॥ ६ ॥ थो दिन सजात जुव
मनु रे ह्मा सु स घाल हाकु उन व्यापि दयु सय तु ये या पुः याग तु चोती तुथिन स्य भाला क आरव
ल सयुः वचन भिदुः धर्मी सिल दातारि स्वभाव चिना ॥ हि प्रस क्रोधिः समता हाकः अभिमभि
कोमल वाके चयल सतोषिः असतूद्रा पुंशालि चो रभ्र ल मजु पुं मे हा ले सवः वा देया था य सयु ॥
कोतु कथा हा सयुः चधु यको दयुः चनि जाल कर्म न स पार्थिति दय के फयुः अर्थ वनतः त्रि भाय्य ३ः
वद्रु पुत्रः पूरुष पु रूष जुल सा मि सा या स्व भा वः प्र सति नि मि सति न दृषि कुल भ वृजु य
॥ तिल क सथान ॥ घाल सगाल पो त सः जाले स ॥ दे दे पादि तिसः दस सः युति तिल क सचि रु
॥ सय ना ॥ अग्निकर्म ॥ प्रवत जु या येः ना ना उव्य स हो ता धकः यथ ह्म नुः यकाल माहि
ले ॥ आहल ॥ बायुः पायुः इ इः धरि ययु ॥ धातु पित रोग व र्ष ॥ १ ॥ मिखा साकः अति सत्

प्रय वर्षा॥ सरयया प्रय॥१३॥ सतुरया प्रय वर्षा॥१०॥ नानाप्रययेत रोगमेवया अस्ति
 याकेजुया प्रयः ससत्रया प्रय वर्षा॥१४॥ माहाजोरनप्रय वर्षा॥५५॥ तिर्थगमनया लेम तु खि
 योतेम कालम तु पियत उ पकार दलहि वच्चा होम यायः दलहि च्या आ ऊति विद्या देव पुजा
 यायः दान कर्मः नसा कलं खनः नारायण पुजा यायः सि व पुजा यायः व रु या मूर्ति नः य व स
 लिलजा अव दान विद्यः योते नसा नृति प्रणा यु वर्ष ७७ ॥ यो य मास्य पुर्वा षा दने शे न व हे
 सति म तु ३॥ ॥ ॥ ६३॥ ६३॥ ६३॥ ॥ ॥ ॥ ६३॥ ६३॥ ६३॥ ॥ ॥ ॥ ६३॥ ६३॥ ६३॥ ॥ ॥ ॥
 असलान नक्षत्रया ५ को ख वा हान एक्षे सजा ॥ मा कल सतो व हे सेति देवता तो युः पुर्वा
 रक्षेत्रः चतुश्चक्र कर कतरा सिय रि पुर्न सेन सु तो जी तः ससि यु मि षा ह्यारु धर्म व न्न ते जया य हि
 वक्र कृत यन स ह ने रु ना यु ख मा वः अ स त्र या नि मि सति न हू य सि युः प्र अ स त्र या के जय

रसजुयुजितवभाय्या ॥३॥ वरुयत्रमयेमवर्षेचर्कु न ज्या पुमि जुयुष्ट पन जुयुः अतिलोप्रीवत
चेचलजुयुत्र सास्रसयुप्रितिजुधः अभिमानोः कोतुकयाहाः व्यालितैसतेहप्रसक्रो
धिदिद्वववनायिखालिः मिजरा जुलसाः मि सास्रभावा ॥ तिलकथा ॥ लला तेः गि देगुदे
जो नुयति तिलकस्य नयुति ॥ आहाल ॥ मधुचलिः वाकुपुतिययु ॥ ह्यपना ॥ अग्नि
मन्समाससर्षद्रनारिवगमनस हानशिसाः थुलियनि ॥ पातुवातयितरे गवर्ष ॥ १ ॥
मुखपातकतककुकुक्षेरोगराभयवर्ष ॥ ११ ॥ माहाव्याधिसतुरभयवर्ष ॥ ३५ ॥ स
र्वयाभयनानाभयवर्ष ॥ ३ ॥ चोचिनकुक्षितिनिभयषुयाभयनमृतुवर्ष ॥ ३३ ॥ सानचोयु
सस्रत्रस्रत्रभयवर्ष ॥ ४५ ॥ राजनृपदसलुभयअभिचालभय ॥ योतेमृतुमूमा लकेया
तउपायदेगुलः लासर्षेलेयदके आदि नंदे वके दयके ज्या यके चर्मसहा नादा वैने

सिव प्रकृत्याः विदुः पुजायाः वल्पा च तयायः सति स्व सति कनः वल्पा च नयायाः
 अग्निपुजायायः दशविद्यः समस्तविद्यमालः थोतेन नम्रकाल मनुना सप्रमापुर्व्वं ॥
 ॥६०॥ थोतेनः माद्यमासे प्रदी प्रदातिथि सुक्रवार मनु ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
 मद्या नक्षत्रयाः पंचतल वि सति मद्रुत्रिय त्रदेवता सणी चर देवता पिगला र्थे नि
 मद्रु ॥ मे सवाहान ॥ राक्षस जात ॥ मुखिसतो ॥ तोयु ॥ हाकुवा उ ॥ थोतिल हन यउ न जुयु
 दही न द्वार रक्षेत्र प्रवेस ॥ थोते प्रकार न जात जु व मोवा तोः सूर्य क्षेत्र सिधरा सिधरि पुर्न
 प्रसादी क वार वं तथ मथ्यथा मभीण भागिकला नगा मा ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
 पुत्र वाल स्व स दुषित ब्रध गाथा सला ईला भद ई स्व भा व वि त्र व च रा थिर ठिर मित्र संया म सं शु
 रक्ष प्रको चि राय क व माता जी वा वा दित क उ नु क था हा स व वि ग्र ह भागी करु ना थिर अभि मात्री

पितर

मकरलगाकत्रायतसइधोतेसोभाव नितकथागरबातसगतयोतसतुतिलाहातिसयुतेतीलक
भागा॥स्यमविधिमैसनखथोतेगाइवधातुवातकुक्षरागमास॥१॥कुक्षरोगवर्ष॥२॥वे
सरयेकुक्षरोगगरुडरोगवर्ष॥५॥नानान्याविधेतरोगवर्ष॥८॥इनुसुतत्रिथगमरासकले
समृतुवर्ष॥२५॥सशामभयतिरशुरजिवसं~~व~~वर्ष॥२७॥सर्वयामयवर्ष॥३॥
सशामसद्यात्वजुईपौरमआयु॥६०॥राजिवक॥अकालमृतमुमात्रकेयातउपायसन्तीवे
तेथायअथवासिवयायथापनायायरक्षाविधायाथयायजागणपुजायायअग्नि
पुजादाणावियवन्थाचनसवरोगहरनमरा॥७३॥~~मा~~मावृ~~ष~~मासेकक्षप्रक्षो
त्यनिसवाएरैमृतुदिना॥ ॥६३॥ ॥६४॥ ॥६५॥

पुर्वकारुनिनक्षेत्रमादतालत्रिसथीमुहुत्रआगमदेवताराहुदेयाविदेवता॥

पूर्व
क्रा

लो हो वा हान ॥ सिंघसते ॥ मनु क्षजात ॥ पविन हा र सूर्यक्षत्र ॥ सिंघरा सि ॥ परि
पुर्न ॥ सुत्रो जात ॥ पंदिता स्वभाव ॥ चरु प्रायल सव ॥ कल्ल हं ॥ ३ ॥ भा गिते जै वं त्प्रा
सि पु रुष स्वभाव वेवा हाल स प्रातं ६ : थिर वचन आसि वि कर्म वि दान पुना सकु सत कर्म
गित वा दे स ई : मि सा भिन : खान छु यल स : मै युगा गे आ खल स ई आ नु द्दो ए सरिर डे व कल को धि
चित्त छा क म ना धी क पा फ ला ए स र श ॥ वृषे सर श थिर द्रव्य निरुवां कै धर्म सि र मि च य नि सो क ला
पु या रु धी क पी क र्म म्वा पु यो ते ख भाव तिल क र म्पा णा ॥ अल य त स ये दृ श ज त स स्तु दे पा ती स ॥ ख
य ॥ वृषा रे ए ध क दे व ता पु जा आ ना ध कं ल ख स स्तु ता ध कं ॥ यो ते ख न धि क ह्म नि : आ हा ल ला : इ :
जा ची : पा लु : क खायु यो ते र श : धा तु वा त पि त धि क रोग चिन्ता वा स्या क : रु स प्र स्या क : मि द्या स्या क
अ का ल म तु व र्ण ॥ १ ॥ महा व्या धि म य व र्ण ॥ १२ ॥ आ ती सार : शा रा चो दु : म य व र्ण ॥ १६ ॥

प्रिति धर्मसाधये सशायक वनिजातकर्म सवमी जलानुलसामिसाया सोमावव वृखात्त जुइव
निगाकशास्त्रसमुसमक्रीत भासशइ परदेश वाइ करत ॥ ३ ॥ अथवा ॥ २ ॥ नुयक वीमिजे खात्त जुइव
तिगासिन्नदर सूर्यो सके सफक सलक म्मा चुरखरा चित्तिरव चण आथिर हवेयो भाव चित्त मेहाले
षिगाथाय सखा वन्न एणुभाटिन पुभति असंतेर स्वई वा के विद्या सिद्धि त मभति जन व करुना स्व
र पुत्र देव गुरु माम वदु प्रजिक धुते सभाव ॥ ॥ तिलक थान ॥ ॥ कपाल सः गर्त पतसः ह
स सपालि सतु तिलक थान स्वपनाः अग्निज्वाला वुसिः हितिसल कुदा फल सन पु व थः नाना व
स्वपना ठ क थो ते हनि व ॥ रोग चिन्ता सली रद्या धा तुका त पितल हिन दाहि ॥ १ ॥ कूटरो गजोल ग्रह वि
दावष ॥ २ ॥ सान वीयुः थुसा उतया भयव र्ण ॥ २० ॥ जोल द्राग सिमान कोति निग्रय वरुष ॥ ३२ ॥ वाधिन मृतु
मेय प्रस ॥ ५२ ॥ सल प्रहार कश तयानि मिस्त्री न स तुल दधु थो न मृतुः प काल ॥ थो प्र काल मुमूर्ष के

या तड पायु ॥ ये रोड पशाल पुजाः ते विदेस हाथः चैते पुजासि व पुजाः होम कर्मः ल हा पाथ जागन पु
जाः बलारन को ते अ काल म तुनासः प्रम प्रायु व ॥ ८७ ॥ भाडवः नक्त मासे दे स्पते नरो व धुन द
सरात्रि म तु रया धर्म दान गुठी द्रष्टु म क द धातर म म त्त्या व कने क सु का मुन मा से क सु प क्षे न व मी
म ति ठि सर वन क्षत्र सनी बल बाल रात्रि म त्त ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ॥ ह तान क्षात्र व्याः पंच ता
त्रि म तु रु यः स वि दे व ता अ ज म्य दे व ताः का से व ग व ॥ कि सि वा हा न पे जा तः ल गुरु रा हा तो ॥ द ह्नी
न द्वा ल ॥ क्षे त्र ॥ बु ध क्ष त्र ॥ परि पु र्न ॥ क न्या रा सि ॥ परि पु र्न ॥ हे हे धाल खाल ॥ क्ष ते व ली का
ल र्न ॥ जा त जु व म रा तो ॥ व री त त्या व द ना द यु ॥ सुर प्र सा द ॥ क ॥ द स नि व मि सा जु ल सा
स्व भा रा कः प्रि य द्र स न ते ज वं ता ॥ व ल वं ता ॥ स ज न व प्रि ति द्रा पुं स सर ग्या ना पु ठी ल म जु व ॥

वा वा के व प ल ॥ मि र वा वो य य व ॥ स्व भा व धि र ॥ ल ॥ ३ ॥ पुरुष द्युः सु पुत्र का य द यि ॥ वि स्वा
 सि च्छु यि ॥ स्य मा विं ना ध र्म स ल सः वि द्या स यि ॥ दु धा र ॥ सान द्यु य र स गित व द स यिः ग्या ना पु
 वित्तः याना गु का जे त की र न हे ले य यि व य स नी राज से व क र्या मो वे ल स ध र द य के क यिः चा के
 मि न स भि ध न स्या सं का र्थी सि ली दः व न ज सि धिः ॥ त सो भा व ॥ तिल क थान ॥ वा हा ल सः
 वाल सः गु हे स वे त सः दे हे वा ति सः तु ति सः या री स धु ते तिल क थान ॥ स्व प ना ॥ अ गि त्वा ला ॥ स प र श य
 ला डा ह ति पु सिः प र व टः म रूः कि सिः ना ना च रं का र ष न ध के स रि वा ॥ आ हा त ॥ ला डा जा इ ह धु लि क सी थोः
 आ र्द्र या ल् थो ते य वः वा तु वा त यि त्त कु क्ष रोग अ ति सार अ जि र्गो कि मि अ का त्म म तु म य व र्च ॥ १ ॥ कु क्ष र
 ग स्वा श व र्च ॥ १ ॥ अ जि र्गो श र्प या म य व र्च द्यु या म य ॥ २५ ॥ २६ ॥ अ नि म ह ड विः वा धि ड स रे ण जि व ति मा

चरये॥३२॥सयासससचयाभयवर्ष॥५०॥चौरनघातकभयवर्ष॥५५॥कलातयागिमिसिराभयराजभ
ययडेसवरोमात्नीवथोतेराएतुवर्ष॥५०॥पुमयायुवर्ष॥२२॥राजिवकःथोतेरायुकात्त्रमृतेकसिपंच
विहिसहितराजोगपयायदेचयात्त्रवलिविद्यथोतेअगात्त्रमृनासवेतसासेदुशमितिगोमरात्त्रवारमृतेदि
रा॥६०॥६०॥६०॥चित्राणक्षेत्रयायकतात्त्रयंचदसहृमृचकुमारीदेवतागारिचित्राधिरागोचनेरआसन
वाद्यसतोराक्षसजातजमृगणोत्थागाःस्त्रेयावाहाराःविस्ववन्तःदधिराद्यरःवृधेचपादः२शुकक्षत्रपादः२कन्या
राशिपादः२कुन्नाराशिपादः३थोतेप्रकारराजातजुवमोचातोपरिद्वर्त्रवचाकृष्णवर्त्ररक्तवर्त्रःपीतवर्त्रवात्त्रस्य
सडधिवचतुर्थभार्या॥उत्रथाकृहेताथमडःकलातयागिमिधिरागोचनेरआसन
त्रद्वयडईअनुक्तषसयिःवावादिःसिन्ध्यासपिरादेवहाणिःअभिमाणाःविचक्षणाःग्याणत्वाईआखल्लस्य॥
गात्त्रमिनीःइसिल्लतुक्षाकृदाणाःपिणोत्ताइतमलोभीखात्त्रघायात्त्रकवरुसजराःमिथुरागाधमथागा